



यातायात एवं सुरक्षा

आज कविता को स्कूल पहुँचने में बहुत देर हो गई। वह हाँफती हुई कक्षा में पहुँची। अध्यापक ने पूछा, अरे ! कविता आज तुम्हें स्कूल आने में देर कैसे हो गई ? कविता ने बताया कि आज सड़क पर बहुत जाम लगा हुआ था। चारों ओर से रिक्शा, गाड़ी, स्कूटर, साइकिल, बस, कार इत्यादि इकट्ठे हो गए थे। मैं बहुत मुश्किल से उस भीड़ से निकल सकी। थोड़ा आगे आने पर पता चला कि दो गाड़ियाँ आपस में टकरा गई थीं जिसमें काफी लोगों को चोटें भी आई हैं। मैं बहुत घबरा गई थी।



त्रिवेणी एक्सप्रेस ने टेम्पो के परखचे उड़ाए

दुका, प्रयागराज : प्रयागराज से इलाहाबाद के लिए आ रही त्रिवेणी एक्सप्रेस ट्रेन ने डीएलसी की एक बस के अग्रभाग को टक्कर मारते हुए उड़ा दिया।

झूंसी और करछना हादसे, चार की मौत

क्राइम रिपोर्टर, इलाहाबाद : अलग-अलग सड़क हादसों में शुरुआत की सड़क के दुर्घटनाओं ने उन्हें चारों तरफ घेर लिया है। पिछले दो अलग-अलग सड़क हादसों में शुरुआत की सड़क के दुर्घटनाओं ने उन्हें चारों तरफ घेर लिया है। पिछले दो अलग-अलग सड़क हादसों में शुरुआत की सड़क के दुर्घटनाओं ने उन्हें चारों तरफ घेर लिया है।



घायल ठग मित्र

• ट्रैक्टर टूली घलटी मोटरसाइकिल पुलिसवाले जीवे गिरी

राजधानी एक्स. से टकराई स्कार्पियो

दुर्घटना : पटना से चलकर नई दिल्ली जा रही राजधानी एक्सप्रेस में स्कार्पियो के टकराव होने से करीब एक घंटे तक अग्लान पर ट्रेन चलना बंद रह्य। दुर्घटना के दोनों ओर घने अंधाधी होने के कारण कुछ लोग अशुभ रूप से घबराक का ही प्रयोग करते हैं। शुरुआत की घटना एक स्कार्पियो पालक ने अपनी को नजर आताज करके, अपनी गाड़ी को तेरसे ट्रैक पार कराने का प्रयास किया, लेकिन वह अग्लान के ट्रैक पर पडती के घण्य करज गयी। इसी दुर्घटना में 7.27 बजे अग्लान राजधानी इलाहाबाद स्टेशन से गुजरी। मौत होने से ट्रेन को अग्लान स्टेशन पर रोक दिया गया।

मिनी-बस पलटी चार घायल

फूलपुर कार्पोलिस, कोइलापुर : फूलपुर कोइलापुरी अंब के अर्ध-दुर्घटना में

बच्चों ! आपने सोचा ऐसा क्यों हुआ ? लगातार बढ़ती जनसंख्या के कारण दिनों दिन भीड़ बढ़ती चली जा रही है। हम सभी प्रतिदिन अखबार , रेडियो, टी0वी0 के माध्यम से सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में पढ़ते, सुनते और देखते हैं। कभी-कभी यह घटनाएँ हमारी आँखों के सामने भी होती हैं। जैसे- आज कविता ने देखा।

दुर्घटना जो आपके साथ भी हो सकती है!

रमेश अपने मित्र के साथ किसी काम के लिए जा रहे थे। रास्ते में एक जगह सड़क दुर्घटना हुई थी। उन्होंने अपने मित्र से कहा, हमें घायल व्यक्ति की मदद करनी चाहिए। उनके मित्र ने जवाब दिया कि इतने लोग हैं यहाँ, कोई न कोई मदद कर ही देगा। यदि हम लोग समय पर ऑफिस नहीं पहुँचे, तो हमारा काम आज नहीं हो पाएगा। अभी वे ऑफिस पहुँचे ही थे कि मित्र के मोबाइल पर घर से फोन आया। पता चला कि उनके पिता का एक्सीडेंट हुआ है, और उन्हें बहुत चोट आयी है। जब उन्होंने यह पूछा कि एक्सीडेंट किस जगह पर हुआ तो जवाब सुनकर उन दोनों का चेहरा दर्द और पश्चाताप से भर उठा। उन्होंने भीड़ से घिरे जिस जरूरतमंद की मदद नहीं की थी, वे उनके ही पिता थे।

□ क्या आप भी सड़क दुर्घटना में घायल किसी अनजान व्यक्ति की मदद सिर्फ इस डर से नहीं करते कि पुलिस पूछताछ करेगी ?

□ क्या आपने कभी सोचा है कि सही समय पर आपकी मदद किसी की जान बचा सकती है ?

□ बिना किसी भय के हमें घायल व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस सिर्फ घटना से जुड़ी सामान्य जानकारी चाहती है।

□ मोटर वेहिकल एक्ट के सेक्शन 134 में कहा गया है कि जिसकी गाड़ी से दुर्घटना हुई है उसका दायित्व है कि वह घायल को डॉक्टर के पास ले जाए और पुलिस को सूचना दे। डॉक्टर की जिम्मेदारी है कि वह बिना देर किए घायल का इलाज करे। ऐसा न करने पर तीन महीने की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।

ज्यादातर दुर्घटनाएं लापरवाही व जल्दबाजी के कारण होती हैं। कभी-कभी एक छोटी सी गलती बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाती है। यदि हम सावधान रहें तो इससे बचा जा सकता है। इसके लिए यातायात के कुछ नियम बनाए गए हैं जिनका पालन करके न केवल हम सुरक्षित रहेंगे बल्कि दूसरे लोगों का भी जीवन बचा सकते हैं।

आइए, यातायात के कुछ नियमों को जानें-

□ सड़क पर सदैव अपनी बायीं ओर से चलें।
□ सड़क पार करने के लिए सुरक्षित स्थान चुनें।
□ सड़क पार करते समय ट्रैफिक की ओर देखें और उसकी आवाज पर ध्यान दें।

□ यदि फुटपाथ हो तो उसका प्रयोग करें और यदि न हो तो अपनी बायीं तरफ सड़क के किनारे से चलें।

□ सड़क पार करते समय पहले अपनी दायीं ओर देखें फिर बायीं ओर देखें और पुनः दायीं ओर देखें, ट्रैफिक नहीं आ रहा हो तो जल्दी से सड़क पार करें।

□ महानगरों के चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल (लाल/हरा) देखकर चौराहा पार करें।

□ यदि सामने लाल बत्ती जल रही हो, तो चौराहा कदापि न पार करें।

□ रात में वाहन चलाते समय संकेतक का प्रयोग अवश्य करें।

□ साइकिल या मोटर साइकिल सवार व्यक्ति को मोड़ पर हाथ से इशारा करके मुड़ना चाहिए।

पैदल, साइकिल, रिक्शा, ताँगा, मोटर साइकिल, मोपेड, ऑटो रिक्शा, जीप, ट्रैक्टर, ट्रक, बस आदि से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में कक्षा में

चर्चा करें।

वाहनों की संख्या में तेजी से होने वाली बढ़ोत्तरी के साथ-साथ सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। सड़क पर चलने वाले बस यात्री और मोटर साइकिल या स्कूटर चालक भी इन दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रायः यह देखा गया है कि जब बस यात्री चलती बस से उतरने का प्रयास करते हैं, तो वे मुँह के बल जमीन पर गिर पड़ते हैं। इस प्रकार वे स्वयं खतरा मोल लेते हैं और कभी-कभी उन्हें अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है। बस यात्रा करते समय नीचे दिए गए सुझावों का पालन करके दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है-

- बस के पायदान या बस के पीछे बनी सीढ़ी पर लटक कर यात्रा न करें।
- चलती बस से न उतरें और न चढ़ें। बस रुक जाने पर ही बस में चढ़ें या उतरें। चलती बस में पीछे की ओर मुँह करके न उतरें।
- बस की खिड़की से बाहर न तो झाँके और न ही शरीर का कोई हिस्सा बाहर निकालें।
- चलती बस में ड्राइवर से बातें न करें।

आइए जानें-सड़क पर वाहन चलाते समय हम क्या करें, क्या न करें-

अतः यातायात के नियमों का पालन न करने से कई प्रकार की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति को आर्थिक नुकसान होता है। कभी-कभी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति आजीवन विकलांग हो जाता है और उसके भरण-पोषण की जिम्मेदारी परिवार को उठानी पड़ती है।

सड़क पर चलने वाले वाहनों के शोर-शराबे (ध्वनि प्रदूषण) एवं निष्कासित गैस, धुएँ आदि से होने वाले प्रदूषण पर कक्षा में चर्चा करें।

ऐसा करें

- मोटर साइकिल/स्कूटर चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।
- कार चालक एवं इसमें बैठने वाले लोग सीट बेल्ट अवश्य बाँधें।
- एम्बुलेंस, दमकल और पुलिस जैसे- आपात ड्यूटी पर तैनात वाहनों को रास्ता दें।
- खतरे के संकेतों एवं सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन अवश्य करें।
- वाहन के ब्रेक व इंजन हमेशा चेक कराते रहें क्योंकि इनकी खराबी दुर्घटना का कारण बनती है।

वाहन चालकों को समय-समय पर नेत्र जाँच करानी चाहिए।

ऐसा न करें

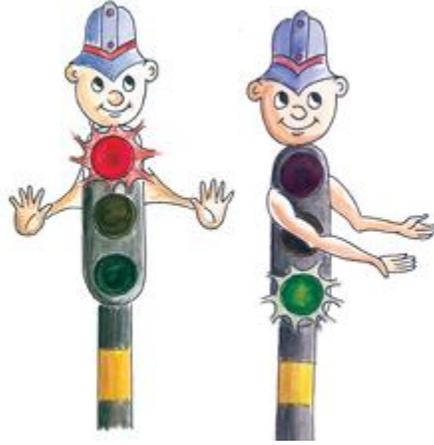
- दुपहिया वाहनों पर दो से अधिक व्यक्ति न बैठें।
- वाहन तेज गति से न चलाएं।
- नशीली दवाओं का सेवन करके या शराब (अल्कोहल) पीकर वाहन न चलाएं।
- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन से बातें न करें।
- असावधानी, थकान, गुस्सा, मानसिक तनाव में वाहन न चलाएं।
- वाहन चलाते समय संगीत न सुनें।

रेल सुरक्षा

रेल एक शक्तिशाली तथा तेज गति वाला यातायात का साधन है। इसके द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर शीघ्र ही पहुँचा जा सकता है। रेलगाड़ी से यात्रा करने में बहुत आनन्द आता है परन्तु यात्रा करते समय हमें कुछ सावधानियाँ अवश्य रखनी चाहिए-

- टिकट लेकर ही यात्रा करें।
- चलती रेल पर चढ़ने और उतरने का प्रयास नहीं करना चाहिए क्योंकि इस प्रयास से व्यक्ति विकलांग हो सकता है तथा मृत्यु भी हो सकती है।
- रेल के दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा नहीं करनी चाहिए।
- रेल की बोगियों की छत पर बैठकर यात्रा न करें।
- रेल की खिड़कियों से अपने शरीर का कोई अंग बाहर न निकालें क्योंकि बाहर की किसी चीज से टकराकर चोट लग सकती है।
- चलती ट्रेन की जंजीर खींच कर या हौज पाइप काट कर व्यवधान उत्पन्न नहीं करना चाहिए। इससे यात्रियों को अपने गन्तव्य स्थान पर पहुँचने में देर हो सकती है।
- रेल में यात्रा करते समय कभी भी किसी अपरिचित द्वारा दिया गया पदार्थ न खाना चाहिए, न पीना और न ही सूँघना चाहिए। हो सकता है कि उसमें कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया गया हो जिससे व्यक्ति बेहोश हो जाए और उसका सामान लूट लिया जाए।
- यात्रा करते समय अपने सामान तथा बच्चों की सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए, जहाँ तक हो सके आवश्यक और कम सामान लेकर यात्रा करनी चाहिए। रात्रि में सामान को जंजीर से बाँध कर सुरक्षित रखा जा सकता है।
- बोगी या प्लेटफार्म पर पड़ी किसी लावारिस वस्तु को छूना नहीं चाहिए, इस प्रकार की पड़ी लावारिस वस्तु की सूचना रेलवे सुरक्षा बल को देनी चाहिए।

□रेल में कभी भी कोई ज्वलनशील पदार्थ (जिसमें आग लगने की प्रबल सम्भावना हो) जैसे स्टोव या गैस का सिलेन्डर लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए।



बच्चों ! आपने सोचा ऐसा क्यों हुआ ? लगातार बढ़ती जनसंख्या के कारण दिनों दिन भीड़ बढ़ती चली जा रही है। हम सभी प्रतिदिन अखबार , रेडियो, टी0वी0 के माध्यम से सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं के बारे में पढ़ते, सुनते और देखते हैं। कभी-कभी यह घटनाएँ हमारी आँखों के सामने भी होती हैं। जैसे- आज कविता ने देखा।

दुर्घटना जो आपके साथ भी हो सकती है!

रमेश अपने मित्र के साथ किसी काम के लिए जा रहे थे। रास्ते में एक जगह सड़क दुर्घटना हुई थी। उन्होंने अपने मित्र से कहा, हमें घायल व्यक्ति की मदद करनी चाहिए। उनके मित्र ने जवाब दिया कि इतने लोग हैं यहाँ, कोई न कोई मदद कर ही देगा। यदि हम लोग समय पर ऑफिस नहीं पहुँचे, तो हमारा काम आज नहीं हो पाएगा। अभी वे ऑफिस पहुँचे ही थे कि मित्र के मोबाइल पर घर से फोन आया। पता चला कि उनके पिता का एक्सीडेंट हुआ है, और उन्हें बहुत चोट आयी है। जब उन्होंने यह पूछा कि एक्सीडेंट किस जगह पर हुआ तो जवाब सुनकर उन दोनों का चेहरा दर्द और पश्चाताप से भर उठा। उन्होंने भीड़ से घिरे जिस जरूरतमंद की मदद नहीं की थी, वे उनके ही पिता थे।

□क्या आप भी सड़क दुर्घटना में घायल किसी अनजान व्यक्ति की मदद सिर्फ इस डर से नहीं करते कि पुलिस पूछताछ करेगी ?

□क्या आपने कभी सोचा है कि सही समय पर आपकी मदद किसी की जान बचा सकती है ?

□बिना किसी भय के हमें घायल व्यक्ति को डॉक्टर के पास ले जाना चाहिए। मदद करने वाले व्यक्ति से पुलिस सिर्फ घटना से जुड़ी सामान्य जानकारी चाहती है।

□ मोटर वेहिकल एक्ट के सेक्शन 134 में कहा गया है कि जिसकी गाड़ी से दुर्घटना हुई है उसका दायित्व है कि वह घायल को डॉक्टर के पास ले जाए और पुलिस को सूचना दे। डॉक्टर की जिम्मेदारी है कि वह बिना देर किए घायल का इलाज करे। ऐसा न करने पर तीन महीने की कैद और जुर्माने का प्रावधान है।

ज्यादातर दुर्घटनाएं लापरवाही व जल्दबाजी के कारण होती हैं। कभी-कभी एक छोटी सी गलती बड़ी दुर्घटना का कारण बन जाती है। यदि हम सावधान रहें तो इससे बचा जा सकता है। इसके लिए यातायात के कुछ नियम बनाए गए हैं जिनका पालन करके न केवल हम सुरक्षित रहेंगे बल्कि दूसरे लोगों का भी जीवन बचा सकते हैं।

आइए, यातायात के कुछ नियमों को जानें-

- सड़क पर सदैव अपनी बायीं ओर से चलें।
- सड़क पार करने के लिए सुरक्षित स्थान चुनें।
- सड़क पार करते समय ट्रैफिक की ओर देखें और उसकी आवाज पर ध्यान दें।
- यदि फुटपाथ हो तो उसका प्रयोग करें और यदि न हो तो अपनी बायीं तरफ सड़क के किनारे से चलें।
- सड़क पार करते समय पहले अपनी दायीं ओर देखें फिर बायीं ओर देखें और पुनः दायीं ओर देखें, ट्रैफिक नहीं आ रहा हो तो जल्दी से सड़क पार करें।
- महानगरों के चौराहों पर ट्रैफिक सिग्नल (लाल/हरा) देखकर चौराहा पार करें।
- यदि सामने लाल बत्ती जल रही हो, तो चौराहा कदापि न पार करें।
- रात में वाहन चलाते समय संकेतक (प्लकपबंजवत) का प्रयोग अवश्य करें।
- साइकिल या मोटर साइकिल सवार व्यक्ति को मोड़ पर हाथ से इशारा करके मुड़ना चाहिए।

पैदल, साइकिल, रिक्शा, ताँगा, मोटर साइकिल, मोपेड, ऑटो रिक्शा, जीप, ट्रैक्टर, ट्रक, बस आदि से होने वाली सड़क दुर्घटनाओं के सम्बन्ध में कक्षा में चर्चा करें।

वाहनों की संख्या में तेजी से होने वाली बढ़ोत्तरी के साथ-साथ सड़क पर होने वाली दुर्घटनाओं की संख्या में भी वृद्धि हो रही है। सड़क पर चलने वाले बस यात्री और मोटर

साइकिल या स्कूटर चालक भी इन दुर्घटनाओं के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रायः यह देखा गया है कि जब बस यात्री चलती बस से उतरने का प्रयास करते हैं, तो वे मुँह के बल जमीन पर गिर पड़ते हैं। इस प्रकार वे स्वयं खतरा मोल लेते हैं और कभी-कभी उन्हें अपनी जान से भी हाथ धोना पड़ता है। बस यात्रा करते समय नीचे दिए गए सुझावों का पालन करके दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है-

- बस के पायदान या बस के पीछे बनी सीढ़ी पर लटक कर यात्रा न करें।
- चलती बस से न उतरें और न चढ़ें। बस रुक जाने पर ही बस में चढ़ें या उतरें। चलती बस में पीछे की ओर मुँह करके न उतरें।
- बस की खिड़की से बाहर न तो झाँके और न ही शरीर का कोई हिस्सा बाहर निकालें।
- चलती बस में ड्राइवर से बातें न करें।

आइए जानें-सड़क पर वाहन चलाते समय हम क्या करें, क्या न करें-

अतः यातायात के नियमों का पालन न करने से कई प्रकार की दुर्घटनाएं हो सकती हैं। दुर्घटना से प्रभावित व्यक्ति को आर्थिक नुकसान होता है। कभी-कभी दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति आजीवन विकलांग हो जाता है और उसके भरण-पोषण की जिम्मेदारी परिवार को उठानी पड़ती है।

सड़क पर चलने वाले वाहनों के शोर-शराबे (ध्वनि प्रदूषण) एवं निष्कासित गैस, धुएं आदि से होने वाले प्रदूषण पर कक्षा में चर्चा करें।

ऐसा करें

- मोटर साइकिल/स्कूटर चलाते समय हेलमेट अवश्य पहनें।
- कार चालक एवं इसमें बैठने वाले लोग सीट बेल्ट अवश्य बाँधें।
- एम्बुलेंस, दमकल और पुलिस जैसे- आपात ड्यूटी पर तैनात वाहनों को रास्ता दें।
- खतरे के संकेतों एवं सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन अवश्य करें।
- वाहन के ब्रेक व इंजन हमेशा चेक कराते रहें क्योंकि इनकी खराबी दुर्घटना का कारण बनती है।
- वाहन चालकों को समय-समय पर नेत्र जाँच करानी चाहिए।

ऐसा न करें

- दुपहिया वाहनों पर दो से अधिक व्यक्ति न बैठें।
- वाहन तेज गति से न चलाएं।
- नशीली दवाओं का सेवन करके या शराब (अल्कोहल) पीकर वाहन न चलाएं।
- वाहन चलाते समय मोबाइल फोन से बातें न करें।
- असावधानी, थकान, गुस्सा, मानसिक तनाव में वाहन न चलाएं।
- वाहन चलाते समय संीत न सुनें।

रेल सुरक्षा

रेल एक शक्तिशाली तथा तेज गति वाला यातायात का साधन है। इसके द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान पर शीघ्र ही पहुँचा जा सकता है। रेलगाड़ी से यात्रा करने में बहुत आनन्द आता है परन्तु यात्रा करते समय हमें कुछ सावधानियाँ अवश्य रखनी चाहिए-

- टिकट लेकर ही यात्रा करें।
- चलती रेल पर चढ़ने और उतरने का प्रयास नहीं करना चाहिए क्योंकि इस प्रयास से व्यक्ति विकलांग हो सकता है तथा मृत्यु भी हो सकती है।
- रेल के दरवाजे पर खड़े होकर यात्रा नहीं करनी चाहिए।
- रेल की बोगियों की छत पर बैठकर यात्रा न करें।
- रेल की खिड़कियों से अपने शरीर का कोई अंग बाहर न निकालें क्योंकि बाहर की किसी चीज से टकराकर चोट लग सकती है।
- चलती ट्रेन की जंजीर खींच कर या हौज पाइप काट कर व्यवधान उत्पन्न नहीं करना चाहिए। इससे यात्रियों को अपने गन्तव्य स्थान पर पहुँचने में देर हो सकती है।
- रेल में यात्रा करते समय कभी भी किसी अपरिचित द्वारा दिया गया पदार्थ न खाना चाहिए, न पीना और न ही सूँघना चाहिए। हो सकता है कि उसमें कुछ नशीला पदार्थ मिला दिया गया हो जिससे व्यक्ति बेहोश हो जाए और उसका सामान लूट लिया जाए।
- यात्रा करते समय अपने सामान तथा बच्चों की सुरक्षा स्वयं करनी चाहिए, जहाँ तक हो सके आवश्यक और कम सामान लेकर यात्रा करनी चाहिए। रात्रि में सामान को जंजीर से बाँध कर सुरक्षित रखा जा सकता है।

- बोगी या प्लेटफार्म पर पड़ी किसी लावारिस वस्तु को छूना नहीं चाहिए, इस प्रकार की पड़ी लावारिस वस्तु की सूचना रेलवे सुरक्षा बल को देनी चाहिए।
- रेल में कभी भी कोई ज्वलनशील पदार्थ (जिसमें आग लगने की प्रबल सम्भावना हो) जैसे स्टोव या गैस का सिलेन्डर लेकर यात्रा नहीं करनी चाहिए।



स्टोव गैस सिलेण्डर केरोसिन/पेट्रोल

बच्चों, रेल की सम्पत्ति आपकी भी तो है। अगर उसको नुकसान पहुँचाया तो आपका भी तो नुकसान होगा। इसलिये बोगी के अन्दर प्रयुक्त किसी भी सामान जैसे पंखा, ट्यूबलाइट, नल तथा सीट इत्यादि को नुकसान नहीं पहुँचाना चाहिए।

आइए, जापान की एक घटना के बारे में जानें-

एक विदेशी पर्यटक ने अपनी जापान यात्रा के संस्मरण सुनाते हुए कहा है कि जब वह जापान में एक ट्रेन से यात्रा कर रहा था तो उसने अच्छी वेशभूषा धारण किए हुए एक जापानी को टेबल की एक फटी हुई सीट सिलते हुए देखा। विदेशी पर्यटक ने उस जापानी से पूछा, "ट्रेन की सीट की सिलाई का काम आप क्यों कर रहे हैं? यह तो रेलवे विभाग का दायित्व है।" प्रश्न के उत्तर में जापानी ने सहज रूप में कहा, "यह सीट और ट्रेन जापान की है तथा जापान मेरा देश है। इस तरह यह सीट भी तो मेरी हुई। इस समय संयोगवश सुई-धागा मेरे पास था, सो मैंने अपनी सीट की सिलाई कर ली तो इसमें बुराई क्या है?"

इसके अतिरिक्त यदि आप यात्रा नहीं कर रहे हैं और रेल गुजरने वाले मार्ग के पास हैं तो ध्यान रखें कि-

- रेलगाड़ी एक सेकेण्ड में 25 मीटर चलती है जबकि आप एक सेकेण्ड में अधिक से अधिक 2.8 मीटर चल सकते हैं। इस प्रकार आपको रेलवे क्रॉसिंग को पार करने में 6-7

सेकेण्ड लग सकते हैं जबकि इतने ही समय में रेलगाड़ी 150-175 मीटर तक चलकर रेलवे फाटक पर पहुँच सकती है तथा आपके देखते ही देखते गम्भीर दुर्घटना घट सकती है।

रेलवे लाइन पार करने से पहले इन संकेतों पर ध्यान दें

गति अवरोधक



बिना चौकीदार वाला फाटक

चौकीदार वाला फाटक

- रेलवे लाइन वहीं से पार करना चाहिए जहाँ पर फाटक बना होता है।
- यदि फाटक बन्द हो तो स्वयं लाइन पार करने या वाहन पार कराने का प्रयास न करें।
- मानवरहित/बिना गेट की क्रॉसिंग हो तो बहुत अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। लाइन पार करते समय अपने दोनों ओर अवश्य देख लें कि ट्रेन आ तो नहीं रही है।
- रुकी हुई ट्रेन के नीचे से दूसरी तरफ जाने की कोशिश न करें।
- रेल पटरियों के साथ बिछे तारों को न छुएं, उसमें विद्युत करेन्ट हो सकता है।
- एक प्लेटफार्म से दूसरे प्लेटफार्म परजाने के लिए ओवरब्रिज का प्रयोग करना चाहिए।
- हमें प्लेटफार्म की सफाई का भी ध्यान रखना चाहिए।

बच्चों, अगर हम थोड़ी सी सावधानी रखेंगे तो राष्ट्र की हानि के साथ-साथ स्वयं के कष्ट से भी बचे रहेंगे।

स्वयं जानिए कि आप सुरक्षा के प्रति कितना सजग हैं, आप जो करते हैं उस पर सही (□) का चिह्न लगाइए-

आप क्या करते हैं ?। ठब्

हमेशाकभी-कभीकभी नहीं

1. साइकिल पर दो या दो से अधिक लोग बैठकर चलते हैं।
2. साइकिल की हैंडिल छोड़कर कलाबाजी करते हुए चलते हैं।

3. भारी व बड़े वाहनों से आगे निकलने की कोशिश करते हैं।
 4. बड़े वाहनों को पीछे से पकड़कर साथ चलने की कोशिश करते हैं।
 5. सड़क पर मुड़ने से पहले हाथ से इशारा करते हैं।
 6. सड़क पार करते समय ध्यान से दाएँ, बाएँ फिर दाएँ देखते हैं।
 7. सड़क पर बाएँ से चलते हैं।
 8. यदि जेब्रा क्रॉसिंग है तो पैदल सड़क पार करने के लिए केवल इसी का उपयोग करते हैं।
 9. सड़क पर क्रिकेट खेलते हैं।
 10. सड़क के बीच खड़े होकर दोस्तों से बात करते हैं।
 11. चलती हुई बस पर चढ़ते और उतरते हैं।
 12. बस के पायदान या पीछे बनी सीढ़ी पर लटककर यात्रा करते हैं।
 13. रेल-फाटक बन्द होने पर भी रेलवे लाइन पार करने का प्रयास करते हैं।
 14. चलती बस से सिर व हाथ बाहर निकालते हैं।
 15. जब आप रात में बाहर निकलते हैं तो हल्के रंग के कपड़े पहनते हैं।
 16. दिन के समय गहरे/चटक रंग के कपड़े पहनकर बाहर जाते हैं।
- उत्तर तालिका से अपने उत्तर का मिलान करें और यह जानें कि आपका उत्तर हमेशा क्या होना चाहिए



2 अध्यास

1. निम्नलिखित प्रश्नों को साक्षर लिखिए -

- (क) सड़क दुर्घटनाएँ क्यों होती हैं ?
- (ख) सड़कों पर यातायात के सड़कों की अधिकता के क्या कारण हैं ?
- (ग) सड़क दुर्घटना से बचने के बीच साक्षर लिखिए।
- (घ) व्यक्ति अक्षर का कारण लिखिए।
- (ङ) किस से साक्षर करने समय किन-किन बातों को ध्यान में रखना चाहिए ?
- (च) सड़क शिक्षणालय से क्या क्या समझाई है ?

2. निम्न स्थानों की पूर्ति कीजिए -

- (क) सड़क पर गाँव _____ से चली।
- (ख) सड़क दुर्घटना से बचने के लिए _____ का ध्यान करें।
- (ग) सड़कों से निष्कर्मिता _____ से बहुत अक्षर होता है।
- (घ) सड़की बस से _____ से बचने न करें।
- (ङ) सड़की ट्रेन की _____ खींच कर या _____ बंद कर यातायात अक्षर नहीं करना चाहिए।

3. सत्य/असत्य कथन पर निश्चयन लगाइए -

- (क) बस की पीछे कनी सीटों पर साक्षर कर याता न करें। (सत्य/असत्य)
- (ख) सड़क पर अपने पहिने और से चलना चाहिए। (सत्य/असत्य)
- (ग) सड़क पर काले समय सुरक्षित स्थान चुनें। (सत्य/असत्य)
- (घ) सड़क/मोटर साइकिल पर दो व्यक्ति से अधिक नहीं बैठने चाहिए। (सत्य/असत्य)
- (ङ) सड़क पर साइकिल मौज-मस्ती के साथ चलाना चाहिए। (सत्य/असत्य)
- (च) बंगी और फ्लैटकारने पर पही लावारिस वस्तु को छूना चाहिए। (सत्य/असत्य)
- (छ) बस साक्षर बन्द होने पर साक्षर पर नहीं करनी चाहिए। (सत्य/असत्य)



टिप्पणियाँ

- सड़क पर यातायात चलते समय 'बसा करे' और 'बसा न करे' पर एक साक्षर बनाएँ तथा अपनी बसा से इसे अक्षर करें।
- सड़क यातायात शिक्षण के लिए बनाकर पानकी जयसंगिता के बारे में लिखिए।